

मैं अमित सिंह गर्ग ID-SF0079732 सुवाना वाच में B.M पद पर कार्यकर रहा था। पहले बिजपनगर प्रांच में B.M, L, B.M, पर पर कार्यकर रहा था। मैं आज स्वतंत्र कम्पनी को इमानदारी से कार्य कर रहा हूँ। स्वतंत्रता हमारी बेनी-बेटी है। 24 महीने से कम्पनी में इमानदारी से कार्य किया था। सर ने मेरे उपर जो आरोप लगाया है। वो आरोप गलत है। मैंने कौरे कम्पनी का पैसा नहीं खाया है। यह उस समय कि बात है। जब मैं स्टाफ था। उस समय EOD hold व कॉलिंग की सम्पत्ति रहती थी। इस कारण B.M सर center-meeting को आगे बढ़ाये और उल्टी-सीधी करते थे। मैं जो center-meeting का कॉलिंग लाकर B.M सर सि दे दिया था। मेरे उपर जो आरोप सर है ने लगाया है। उन सर व 2,3 A.M, A.M को भी बताया था। इस वाच यह 20, 25 थे। मैंने कस्टमर को सम्झाया और लोन को ब्लेज करवाये थे। जिस आरोप पर मुझे कम्पनी से बाहर किया गया है। उस आरोप का मैं देखी नहीं हूँ। फिर भी आप व कम्पनी को लगता है। तो मैंने 1000 रुपये के लिए मेरी छवि खराब करनी करना चाहुता हूँ। और बिजपनगर प्रांच में जाकर लोन को खर्च ब्लेज कर दिए। 24 महीने मैं 1000 - रुपये के लिए मेरा करियर खराब नहीं करूँगा। इस माह 3 तार A.M हुरि है। मेरे साथ कुछ भी नहीं मिला है। 1000 रुपये खर्च कर मैं छवि खराब नहीं करूँगा। अतः मुझे माफ़ करे आगे से इसी कौरे गलती मिलती हो। उसका मैं खर्च जिम्मेदार हूँ। फिर मैं बताया जाहुता हूँ कि मैं कोई फ्रॉण्ड (बोरोबानी) नहीं कि हूँ। करने वाला होता तो 24 महीने के सफर में 1000 रुपये का नहीं मिलता सर जी। मैंने हमेशा स्वतंत्र से बहुत कुछ सीखा है। और हर मोड़ पर साथ देने वाली कम्पनी है। MD, SH, RH, A.M, हमेशा बोलते हैं कि स्वतंत्रता अपनी मो है। हम नो से गद्दारी, बोखा नहीं दे सकते हैं।

वत्पवाद

Amit Singh Dattar

SF0079732